



करियर एवं व्यवसाय रिपोर्ट

आपके कर्म-क्षेत्र, सफलता व व्यावसायिक दिशा का विश्लेषण

श्री अभय शर्मा (काल्पनिक) जी हेतु व्यक्तिगत रिपोर्ट

नाम	अभय शर्मा (काल्पनिक)
जन्म तिथि व समय	12 जुलाई 1992 • 09:45
जन्म स्थान	जयपुर
लग्न • राशि • नक्षत्र	सिंह • वृश्चिक • ज्येष्ठा
वर्तमान दशा	सूर्य महादशा (2023–2029)
रिपोर्ट तिथि	24 सितम्बर 2026 • प्रातः 8:01

॥ पारस वाणी ॥

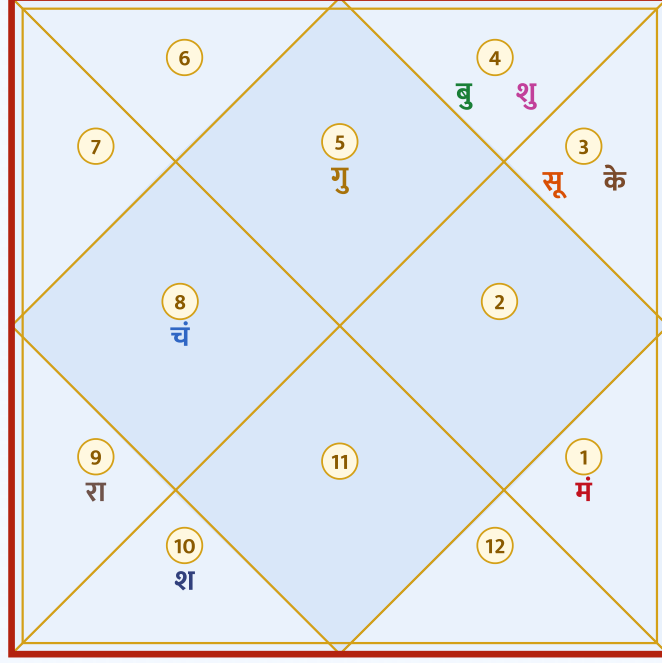
parasvani • वैदिक ज्ञान, आधुनिक तकनीक

यह रिपोर्ट खगोलीय Swiss Ephemeris (लाहिरी अयनांश) गणना पर आधारित है



जन्म कुंडली — ग्रह स्थिति एवं प्रभाव

कुंडली परिचय



जन्म-कुंडली (उत्तर भारतीय पद्धति) • लाहिरी अयनांश

ग्रह	राशि	भाव	क्षेत्र-प्रभाव
सूर्य	मिथुन	11	आत्मबल व प्रतिष्ठा — लाभ व आय
चंद्र	वृश्चिक	4	मन व भावनाएँ — सुख व माता
मंगल	मेष	9	ऊर्जा व साहस — भाग्य व धर्म
बुध	कर्क	12	बुद्धि व व्यापार — व्यय व अध्यात्म
गुरु	सिंह	1	ज्ञान व भाग्य — व्यक्तित्व व स्वास्थ्य
शुक्र	कर्क	12	सुख व कला — व्यय व अध्यात्म
शनि (वक्री)	मकर	6	कर्म व अनुशासन — सेवा व प्रतिस्पर्धा
राहु (वक्री)	धनु	5	महत्वाकांक्षा व नवाचार — बुद्धि व संतान
केतु (वक्री)	मिथुन	11	अध्यात्म व मोक्ष — लाभ व आय

विंशोत्तरी दशा — अंतर्दशा तालिकाएँ

अ भी च ल र ही व अ ग ली म हा द शा • वर्तमान ◀ चिह्न से

सूर्य महादशा ◀

19/04/2023 – 19/04/2029

अंतर्दशा	से	तक
सूर्य	19/04/2023	07/08/2023
चंद्र	07/08/2023	06/02/2024
मंगल	06/02/2024	12/06/2024
राहु	12/06/2024	07/05/2025
गुरु	07/05/2025	23/02/2026
शनि ◀	23/02/2026	05/02/2027
बुध	05/02/2027	13/12/2027
केतु	13/12/2027	19/04/2028
शुक्र	19/04/2028	19/04/2029

चंद्र महादशा

19/04/2029 – 19/04/2039

अंतर्दशा	से	तक
चंद्र	19/04/2029	17/02/2030
मंगल	17/02/2030	18/09/2030
राहु	18/09/2030	19/03/2032
गुरु	19/03/2032	19/07/2033
शनि	19/07/2033	17/02/2035
बुध	17/02/2035	19/07/2036
केतु	19/07/2036	17/02/2037
शुक्र	17/02/2037	19/10/2038
सूर्य	19/10/2038	19/04/2039

योगिनी दशा — अंतर-योगिनी तालिकाएँ

अ भी च ल र ही व अ ग ली यो गि नी • वर्तमान ◀ चिह्न से

भद्रिका योगिनी ◀

स्वामी बुध • 5 वर्ष • 20/08/2024 – 20/08/2029

अंतर-योगिनी	से	तक
भद्रिका	20/08/2024	01/05/2025
उल्का	01/05/2025	01/03/2026
सिद्धा ◀	01/03/2026	19/02/2027
संकटा	19/02/2027	31/03/2028
मंगला	31/03/2028	21/05/2028
पिंगला	21/05/2028	30/08/2028
धान्या	30/08/2028	30/01/2029
भ्रामरी	30/01/2029	20/08/2029

उल्का योगिनी

स्वामी शनि • 6 वर्ष • 20/08/2029 – 21/08/2035

अंतर-योगिनी	से	तक
उल्का	20/08/2029	21/08/2030
सिद्धा	21/08/2030	21/10/2031
संकटा	21/10/2031	19/02/2033
मंगला	19/02/2033	21/04/2033
पिंगला	21/04/2033	20/08/2033
धान्या	20/08/2033	19/02/2034
भ्रामरी	19/02/2034	21/10/2034
भद्रिका	21/10/2034	21/08/2035



कर्म-कुंडली परिचय

अ ध्या य 1

कर्म-कुंडली परिचय

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली में **करियर का आधार-स्तंभ शनि हैं** — जो छोटे भाव में अपनी स्वराशि मकर में बैठकर वक्री हैं। और कर्मेश (दशम भाव के स्वामी) शुक्र बारहवें भाव में अस्त अवस्था में हैं। यह संयोग बताता है कि आपका कर्म-पथ सरल रेखा में नहीं, बल्कि कई मोड़ों और परतों से होकर गुजरता है — पर जो बनता है, वह टिकाऊ और गहरा बनता है।

दशम भाव — कर्म-क्षेत्र की नींव

आपका दशम भाव वृषभ राशि का है और इसके स्वामी शुक्र हैं। शुक्र बारहवें भाव (कर्क राशि) में बुध के साथ बैठे हैं — और साथ में अस्त भी हैं। इसका अर्थ यह है कि **कर्मेश की ऊर्जा सीधे बाहर नहीं आती, वह भीतर की ओर मुड़ी रहती है**। दशम भाव के शोधित अष्टकवर्ग बिंदु केवल 3 हैं — यह बताता है कि इस क्षेत्र में फल पाने के लिए आपको औरों से अधिक श्रम और धैर्य रखना होता है। चंद्र की दृष्टि दशम भाव पर है — यह मन और भावनाओं को काम से जोड़ती है; आप जो काम करते हैं उसमें मन का लगाव ज़रूरी है, वरना टिकाव नहीं रहता।

छठा व ग्यारहवाँ भाव — सेवा और लाभ की धुरी

शनि अपनी स्वराशि मकर में छोटे भाव में वक्री बैठे हैं — यह हर्ष विपरीत राजयोग बनाता है। परंपरा में इस योग के लिए कहा गया है कि कठिनाइयों और शत्रुओं को पार करने के बाद अप्रत्याशित उन्नति मिलती है। षड्बल में शनि का बल पर्याप्त है, पर अवस्था कुमार है — अर्थात् आधा फल मिलता है, और वह भी धीरे-धीरे। ग्यारहवें भाव में सूर्य और केतु बैठे हैं — लाभ के भाव का स्वामी बुध बारहवें में है। इसका मतलब है कि **लाभ आता है, पर सीधे रास्ते से नहीं** — कभी अप्रत्याशित स्रोत से, कभी लंबी मेहनत के बाद।

दशमांश (D10) — करियर की गहरी तस्वीर

दशमांश कुंडली में लग्न कुम्भ है और सूर्य स्वयं लग्न में विराजमान हैं — यह **नेतृत्व, पहचान और स्वतंत्र भूमिका** की ओर इशारा करता है। मंगल, शुक्र और शनि — तीनों तीसरे भाव में मेष राशि में हैं। यह संयोग बताता है कि **साहस, क्रिया और परिश्रम से ही करियर में आगे बढ़ना होगा** — बैठे-बैठे नहीं। गुरु और राहु बारहवें भाव (मकर) में हैं — यह विदेश, पर्दे के पीछे की योजना, या किसी बड़े संगठन के

भीतर अदृश्य भूमिका का संकेत देता है।

लग्न और गजकेसरी — आपकी असली शक्ति

सिंह लग्न में गुरु युवा अवस्था में विराजमान हैं — और गजकेसरी योग बन रहा है। गुरु का बल इस कुंडली में सबसे भरपूर है (9.49 रूप)। यह बताता है कि आपमें बुद्धि, विश्वसनीयता और दूरदर्शिता स्वाभाविक रूप से है — यही आपकी असली पूँजी है जो हर काम में काम आती है।

मुख्य बातें

- **कर्मेंश शुक्र अस्त व बारहवें भाव में** — करियर में फल धीरे, पर भीतरी प्रतिभा गहरी है
- **शनि का हर्ष विपरीत राजयोग** — कठिनाई के बाद उन्नति, शत्रु स्वयं हारते हैं
- **दशम भाव के अष्टकवर्ग बिंदु कम (3)** — अधिक श्रम से ही सफलता, पर टिकाऊ
- **D10 में सूर्य लग्न में** — स्वतंत्र पहचान और नेतृत्व-भूमिका की संभावना
- **लग्न में गुरु — गजकेसरी योग** — बुद्धि और विश्वसनीयता आपकी सबसे बड़ी शक्ति

॥ शास्त्र-प्रमाण ॥

गजकेसरीसञ्जातस्तेजस्वी धनवान् भवेत् ।

मेधावी गुणसम्पन्नो राजप्रियकरो नरः ॥

गजकेसरी योग में जन्मा व्यक्ति तेजस्वी और धनवान होता है, बुद्धिमान और गुणों से भरा — तथा बड़े लोगों का प्रिय बनता है।

— बृहत् पाराशर होरा शास्त्र, अध्याय ३६



आपकी स्वाभाविक प्रतिभा व कार्य-क्षेत्र

अ ध्या य 2

आपकी स्वाभाविक प्रतिभा व कार्य-क्षेत्र

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली में लग्न में गुरु और नवम भाव में स्वराशि मंगल — यह दो ग्रह मिलकर बताते हैं कि आप केवल काम करने वाले नहीं, **दिशा देने वाले** हैं। आपकी स्वाभाविक प्रतिभा न तो फ़ाड़लें संभालने में है, न किसी की आज्ञा मानते रहने में — आप वहाँ

खिलते हैं जहाँ ज़िम्मेदारी बड़ी हो, और अपना तरीका अपनाने की छूट हो।

सिंह लग्न और गुरु — नेतृत्व आपकी स्वाभाविक भाषा है

सिंह लग्न वाले व्यक्ति स्वभाव से ही केंद्र में रहना पसंद करते हैं — न घमंड से, बल्कि इसलिए कि उनमें यह क्षमता होती है कि लोग उनकी ओर देखते हैं। **लग्न में गुरु की उपस्थिति इस गुण को और गहरा करती है।** गुरु यहाँ मित्र राशि में हैं, युवा अवस्था में हैं — अर्थात् उनका फल पूरा मिल रहा है। यह संयोग देता है: स्पष्ट वाणी, विश्वसनीय व्यक्तित्व, और दूसरों को समझाने व प्रेरित करने की सहज शक्ति।

व्यावहारिक रूप से इसका अर्थ है — आप किसी भी समूह में जाएँ, चाहे वह कार्यालय हो, व्यापार हो या सामाजिक मंच — लोग जल्दी ही आपको सुनने लगते हैं। **यह गुण करियर में तब सबसे अधिक काम आता है जब आप टीम-प्रबंधन, परामर्श, शिक्षण, या किसी संगठन में नीति-निर्माण का काम करते हों।**

नवम भाव में स्वराशि मंगल — कार्य में साहस व स्वतंत्र सोच

नवम भाव भाग्य और दर्शन का भाव है — और यहाँ मंगल अपनी स्वयं की राशि मेष में बैठे हैं। यह बड़ी बात है। मंगल यहाँ पीड़ित नहीं, स्वतंत्र हैं — यद्यपि उनकी अवस्था मृत है, इसलिए फल में थोड़ी देरी और कमी रहती है, पर दिशा बिल्कुल स्पष्ट है।

इस स्थिति का व्यावहारिक अर्थ यह है कि **आप उन कामों में सबसे अधिक सफल होते हैं जिनमें जोखिम लेना पड़े, नई राह बनानी पड़े, या किसी बड़े उद्देश्य के लिए लड़ना पड़े।** रोज़ की एकसारी दिनचर्या आपको जल्दी थका देती है। आपमें वह ऊर्जा है जो चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जागती है — जब सब कहें "यह नहीं होगा", तब आप सबसे अधिक सक्रिय होते हैं।

मंगल की गुरु पर दृष्टि (नवम से लग्न पर) — यह और कहता है कि आपका साहस अंधा नहीं, उसके पीछे विचार और दर्शन है। आप दूसरों को उकसाते नहीं, प्रेरित करते हैं।

दशमांश (D10) — करियर की असली तस्वीर

करियर की गहराई देखने के लिए दशमांश कुंडली सबसे विश्वसनीय दर्पण है। आपके D10 में लग्न कुम्भ है, और **सूर्य स्वयं लग्न (भाव 1) में हैं** — यह दशमांश में बड़ी बात है। इसका अर्थ है कि आपकी पहचान आपके काम से बनती है; जो भी क्षेत्र आप चुनें, उसमें आपका नाम आगे आता है।

D10 में मंगल भाव 11 (लाभ का भाव) में धनु राशि में हैं — यह दर्शाता है कि **करियर में लाभ और पहचान तब आती है जब आप किसी बड़े लक्ष्य से जुड़ते हैं**, चाहे वह उद्यम हो, सामाजिक काम हो, या किसी संस्था का विस्तार हो। बुध D10 में भाव 9 (भाग्य, उच्च विचार) में

हैं — यह कहता है कि **लेखन, बोलना, रणनीति बनाना, या किसी विचार को आगे ले जाना** आपके करियर का एक स्वाभाविक हिस्सा है।

D10 में गुरु भाव 12 में हैं — यह एक संकेत है कि आपका काम केवल भौतिक लाभ तक नहीं रहेगा; इसमें कहीं न कहीं समाज, शिक्षा, या किसी बड़े उद्देश्य की भूमिका होगी। यह कमजोरी नहीं, आपकी गहराई है।

वे कार्य-क्षेत्र जो आपसे सबसे अधिक माँगते हैं — और आप सबसे अधिक देते हैं

ऊपर की सभी स्थितियों को मिलाकर देखें, तो कुछ क्षेत्र विशेष रूप से उभरकर आते हैं:

- **प्रबंधन व नेतृत्व** — चाहे कॉर्पोरेट हो, स्वयं का व्यवसाय हो, या किसी संगठन का संचालन। आप ऊपर से निर्देश लेने में नहीं, ऊपर खड़े होकर निर्देश देने में अधिक सहज हैं।
- **परामर्श, कोचिंग या शिक्षण** — गुरु लग्न में और D10 में बुध भाव 9 में — यह संयोग बताता है कि आप जो जानते हैं, उसे दूसरों तक पहुँचाने में आपको स्वाभाविक सुख मिलता है।
- **विचार-आधारित काम** — नीति, रणनीति, लेखन, सामग्री निर्माण, या किसी बड़े विचार को ज़मीन पर उतारना।
- **उद्यमशीलता** — नवम भाव में स्वराशि मंगल और सिंह लग्न — यह संयोग उन लोगों में अक्सर मिलता है जो अपनी शर्तों पर काम करना चाहते हैं।
- **6वाँ भाव शनि स्वराशि में** — यह विपरीत राजयोग का हिस्सा भी है और यह बताता है कि संघर्ष और प्रतिस्पर्धा वाले वातावरण में आप टूटते नहीं, निखरते हैं। कालत, प्रशासन, या किसी ऐसे क्षेत्र में जहाँ शत्रु-पक्ष को संभालना पड़े — आप वहाँ विशेष रूप से सक्षम हैं।

मुख्य बातें

- **लग्न में युवा अवस्था के गुरु** आपको स्वाभाविक नेता, प्रेरक और विश्वसनीय व्यक्ति बनाते हैं — यह आपकी सबसे बड़ी पेशेवर पूँजी है।
- **नवम में स्वराशि मंगल** साहसी, स्वतंत्र और उद्देश्य-केंद्रित कार्यशैली देते हैं — आप एकसारे, बँधे-बँधाए काम में नहीं खेलते।
- **दशमांश में सूर्य लग्न में** — आपकी पहचान आपके काम से बनती है; जो भी क्षेत्र चुनें, उसमें नाम आगे आता है।
- **प्रबंधन, परामर्श, उद्यम और विचार-कार्य** — ये चारों आपके स्वभाव के सबसे निकट हैं।
- **6वें भाव का शनि** बताता है कि कठिन परिस्थिति आपको हराती नहीं — वह आपको और पैना करती है।



दशम भाव व कर्मेश विश्लेषण

अ ध्या य 3

दशम भाव व कर्मेश विश्लेषण

अभय शर्मा जी, आपके दशम भाव और कर्मेश शुक्र की स्थिति एक ऐसी कहानी कहती है जो बाहर से जटिल दिखती है — पर भीतर से

एक गहरा अर्थ रखती है। **आपका कर्म-पथ वह नहीं है जो दिखता है, वह है जो महसूस होता है।**

दशम भाव — नींव कैसी है?

आपका दशम भाव वृषभ राशि में है। वृषभ धैर्य, स्थिरता और सौंदर्य-बोध का घर है — यानी आपका कर्म-क्षेत्र वह है जहाँ **टिककर काम करने से, जल्दबाज़ी से नहीं**, परिणाम मिलते हैं।

दशम भाव के शोधित अष्टकवर्ग बिंदु केवल **3** हैं — यह संख्या बताती है कि यह भाव स्वाभाविक रूप से उतना बलवान नहीं जितना होना चाहिए। इसका सीधा अर्थ यह है कि करियर में सफलता आपको **अधिक प्रयास और अधिक समय** माँगेगी — पर यह कमज़ोरी नहीं, बल्कि यह बताता है कि जो मिलेगा वह टिकाऊ होगा, क्योंकि आपने उसे कमाया होगा। भाव-बल भी 6.56 है, जो औसत से नीचे है — इसलिए "बड़ा नाम, बड़ा पद" का सपना देर से पूरा होगा, पर होगा ज़रूर।

दशम भाव में कोई ग्रह नहीं बैठा — तो इस भाव का पूरा भार उसके स्वामी यानी कर्मेश पर आ जाता है।

कर्मेश शुक्र — कहाँ हैं और क्या कह रहे हैं?

कर्मेश शुक्र बारहवें भाव में हैं — कर्क राशि में, शत्रु राशि में, और अस्त भी हैं। यह तिहरी चुनौती है।

- **बारहवाँ भाव** व्यय, एकांत, विदेश और परदे के पीछे के काम का भाव है।
- **शत्रु राशि** बताती है कि शुक्र अपनी पूरी ताकत से काम नहीं कर पा रहे।
- **अस्त** का अर्थ है — सूर्य के प्रकाश में छिपे हुए; इनका षड्बल 6.11 रूप पर्याप्त है, पर **अवस्था मृत** है — यानी फल नगण्य।

इसका जीवन में अर्थ यह है कि आपका करियर कभी-कभी **अदृश्य रहा होगा** — आपने काम किया, मेहनत की, पर श्रेय किसी और को मिला, या आप पर्दे के पीछे रहे। यह बारहवें भाव का कर्मेश होने का स्वभाविक फल है।

पर यहाँ एक बड़ी बात है — बारहवाँ भाव विदेश और अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों का भी भाव है। शुक्र का यहाँ होना यह भी कहता है कि **विदेश से जुड़े काम, निर्यात, कला, रचनात्मकता, या परदे के पीछे की भूमिका** आपके लिए कहीं अधिक फलदायी हो सकती है — सामने की चमकदार भूमिका से।

दृष्टि — कौन देख रहा है दशम भाव को?

दशम भाव पर **चंद्र की दृष्टि** पड़ रही है। चंद्र आपके चतुर्थ भाव में नीचे अवस्था में हैं — यह बताता है कि **मन और भावनाएँ आपके करियर पर गहरा असर डालती हैं**। जब भीतर से बेचैनी हो, तब काम में भी स्थिरता टूटती है। इसीलिए आपके करियर की राह "एक

सीधी लकीर" नहीं रही होगी — मन का उतार-चढ़ाव इसमें दिखता है।

गोचर में अभी **गुरु बारहवें भाव में** हैं — कर्मेश शुक्र के पास। यह बड़ी बात है। गुरु जब शुक्र के साथ बारहवें भाव को सक्रिय करते हैं, तो यह समय **विदेशी अवसर, आध्यात्मिक दिशा, या परदे के पीछे की बड़ी योजना** के लिए अनुकूल होता है — जून 2026 से अक्तूबर 2026 तक।

दशमांश (D10) — करियर की गहरी परत

दशमांश कुंडली में लग्न कुम्भ है, और **सूर्य सीधे लग्न में** हैं — यह बड़ा संकेत है। इसका अर्थ है कि आपकी असली पहचान, आपका असली कर्म-व्यक्तित्व, वह है जो **स्वतंत्र रूप से खड़ा हो** — किसी के नीचे नहीं। दशमांश में मंगल, शुक्र और शनि तीनों तीसरे भाव (मेष राशि) में हैं — यह तिकड़ी **परिश्रम, साहस और अनुशासन** से आगे बढ़ने की बात करती है।

पर गुरु दशमांश के बारहवें भाव में हैं — यह फिर वही संकेत है: आपकी असली उन्नति दिखावे की दुनिया में नहीं, **गहराई के काम में** है।

मुख्य बातें

- **दशम भाव वृषभ में है, पर उसके बिंदु कम हैं** — करियर में सफलता प्रयास और धैर्य माँगती है, झटपट नहीं मिलती।
- **कर्मेश शुक्र बारहवें भाव में, शत्रु राशि में, अस्त और मृत अवस्था में हैं** — श्रेय कम मिला, काम अट्ठश्य रहा; पर बारहवाँ भाव विदेश व रचनात्मकता का द्वार भी है।
- **दशम भाव पर नीच चंद्र की दृष्टि** बताती है कि मन का हाल करियर को सीधे प्रभावित करता है — भीतरी स्थिरता बाहर की सफलता की पहली शर्त है।
- **दशमांश में सूर्य लग्न में हैं** — स्वतंत्र भूमिका या नेतृत्व वाला काम आपके स्वभाव से अधिक मेल खाता है।
- **अक्तूबर 2026 तक गुरु का बारहवें भाव में रहना** — यह समय विदेशी सम्बंध, पर्दे के पीछे की बड़ी योजना, या किसी नई दिशा की नींव रखने के लिए अनुकूल है।



नौकरी या व्यवसाय — क्या उपयुक्त है

अ ध्या य 4

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली एक बात बहुत साफ़ कहती है — **आप दोनों के लिए बने हैं, पर समय के अनुसार एक से दूसरे की ओर बढ़ना ही आपका असली रास्ता है।** नौकरी या व्यवसाय — यह सवाल आपके लिए "या" नहीं, "और फिर" का है।

नौकरी क्यों — और कब तक

आपके दशम भाव का स्वामी शुक्र बारहवें भाव में अस्त है। यानी कर्मेश अभी अपनी पूरी ताकत नहीं दे पा रहा। ऐसे में स्वतंत्र व्यवसाय शुरू करना — बिना किसी ढाँचे, बिना किसी छत के — एक जोखिम बन सकता है। **नौकरी इस समय वह ढाँचा है जो आपको टिकाए रखता है, चाहे भीतर से उसमें मन न लगता हो।**

दशमांश (D10) देखें तो लग्न कुम्भ है और सूर्य पहले ही भाव में बैठे हैं — यह बताता है कि करियर में आपकी अपनी पहचान, आपका नाम, आपका व्यक्तित्व ही सबसे बड़ी पूँजी है। किसी बड़ी संस्था या संगठन के भीतर रहते हुए भी आप "सिर्फ एक कर्मचारी" नहीं रह सकते — आपको एक भूमिका चाहिए जिसमें आप दिखें, जहाँ आपका नाम हो।

नौकरी तब तक उचित है जब तक:

- आपके पास अपने क्षेत्र में एक ठोस पहचान न बन जाए
- एक नियमित आय का आधार हो जो जोखिम सहने दे
- फ़रवरी 2027 तक की सूर्य-शनि अंतर्दशा पूरी हो जाए — शनि छठे भाव में स्वराशि में हैं, जो सेवा, अनुशासन और नियमित काम का संकेत देता है; यह समय नौकरी में टिके रहकर अनुभव जोड़ने का है

व्यवसाय क्यों — और कब

आपके नवम भाव में मंगल अपनी स्वराशि मेष में बैठे हैं। **नवम भाव भाग्य का है, और वहाँ स्वराशि मंगल यह कहता है कि जब आप अपने दम पर कुछ करेंगे, तब भाग्य सबसे अधिक साथ देगा।** नौकरी में भाग्य आधा काम करता है, व्यवसाय में पूरा।

गुरु लग्न में मित्र राशि सिंह में हैं — यह विस्तार, नेतृत्व और दूसरों को प्रेरित करने की शक्ति है। गजकेसरी योग भी बन रहा है — चंद्र से गुरु केंद्र में हैं, जो यश और सामाजिक पहचान देता है। **ये दोनों योग किसी के नीचे काम करने में नहीं, खुद खड़े होने में खिलते हैं।**

दशमांश में मंगल ग्यारहवें भाव (लाभ) में धनु राशि में हैं — व्यवसाय में लाभ की सम्भावना अच्छी है, बशर्ते क्षेत्र सही हो।

व्यवसाय के लिए अनुकूल समय:

अप्रैल 2029 के बाद चंद्र महादशा आएगी, जो 2039 तक चलेगी। चंद्र आपकी कुंडली में चतुर्थ भाव (जनता, घर, स्थिरता) के स्वामी हैं — और चंद्र महादशा में जनता से जुड़ा काम, घर बैठकर या अपने नाम से किया गया व्यवसाय, अधिक फलता है। **जब आप 37 वर्ष के होंगे, तब यह बड़ा मोड़ आएगा। अभी की नौकरी उस मोड़ की तैयारी है।**

कौन-सा क्षेत्र — और क्यों

शुक्र कर्मेश हैं और मंगल नवमेश — इन दोनों का मेल सौंदर्य, रचना, और उद्यम को एक साथ लाता है। गुरु की लग्न में उपस्थिति शिक्षा,

परामर्श, और मार्गदर्शन का संकेत देती है। बुध बारहवें भाव में हैं — विदेश से जुड़ा काम, पर्दे के पीछे की योजना, लेखन या डिजिटल काम आपको सहज लगता है।

आपके लिए उपयुक्त क्षेत्र:

- परामर्श, कोचिंग, प्रशिक्षण (किसी भी विषय में जहाँ आप आगे हों)
- रचनात्मक या सौंदर्य से जुड़ा काम — डिजाइन, मीडिया, कला, आंतरिक सज्जा
- शिक्षा या कौशल-विकास
- विदेश से जुड़ा व्यापार या डिजिटल सेवाएँ

दृष्टि का प्रभाव — जो तस्वीर पूरी करती है

आपके दशम भाव पर चंद्र की दृष्टि है — जन मानस से जुड़ाव, लोगों की ज़रूरत समझना, आपकी कर्म-शक्ति का एक हिस्सा है। दशम भाव के शोधित अष्टकवर्ग में बिंदु केवल 3 हैं — यह बताता है कि करियर में संघर्ष सहज नहीं, **पर यह कमज़ोरी नहीं, संकेत है कि आपको अधिक स्मार्ट रणनीति चाहिए, अधिक मेहनत नहीं।**

मुख्य बातें

- अभी नौकरी — फ़रवरी 2027 तक सूर्य-शनि अंतर्दशा में टिके रहना और अनुभव जोड़ना ही समझदारी है
- व्यवसाय का असली समय — अप्रैल 2029 के बाद, जब आप 37 वर्ष के होंगे और चंद्र महादशा आरंभ होगी
- नवम में स्वराशि मंगल बताते हैं कि स्वतंत्र काम में भाग्य सबसे अधिक साथ देगा
- परामर्श, रचना, शिक्षा या विदेश-जुड़ा डिजिटल काम — ये आपके लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र हैं
- दशम भाव के कम अष्टकवर्ग-बिंदु बताते हैं — मेहनत अधिक नहीं, दिशा सही चाहिए



उन्नति व परिवर्तन का समय (दशा-गोचर)

अ ध्या य 5

उन्नति व परिवर्तन का समय (दशा-गोचर)

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली इस समय एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है जहाँ दबाव और संभावना — दोनों एक साथ हैं। अभी चल रही सूर्य महादशा-शनि अंतर्दशा आपको माँज रही है, तोड़ रही नहीं; और फ़रवरी 2027 के बाद जो बदलाव आएगा, वह इस माँजने का फल होगा।

अभी का दौर — सूर्य-शनि, फ़रवरी 2026 से फ़रवरी 2027

यह अंतर्दशा फ़रवरी 2027 तक चलेगी — तब आप लगभग 35 वर्ष के होंगे। सूर्य आपके लग्नेश हैं और ग्यारहवें भाव में हैं — लाभ व यश का भाव। लेकिन उनकी अवस्था मृत है, जिसका अर्थ है कि इस महादशा में जो फल मिलने चाहिए थे, वे पूरे ज़ोर से नहीं आ रहे — देर से, कम मात्रा में आ रहे हैं। और शनि? वे आपके छोटे भाव में स्वराशि मकर में हैं — स्वयं की राशि में बैठे, वक्री, और यहाँ **हर्ष विपरीत राजयोग** बना रहे हैं। शनि की अंतर्दशा अपने ही भाव में चल रही है — इसका फल श्रम है, संघर्ष है, पर उसके पीछे एक चुपचाप होने वाली उन्नति भी है।

इस समय की असली परीक्षा धैर्य की है। जो काम आप कर रहे हैं, उसके परिणाम अभी दिख नहीं रहे — पर वे बन रहे हैं। शनि दंड नहीं देते, देर करते हैं; और जो देर सह लेता है, उसे वे टिकाऊ फल देते हैं।

दशमांश (D10) में सूर्य कुम्भ लग्न के पहले भाव में हैं — करियर की कुंडली में आपका व्यक्तित्व और आत्मबल सबसे बड़ी पूँजी है। पर गुरु वहाँ बारहवें भाव में हैं — यानी विस्तार अभी भीतरी तरफ़ है, बाहर अभी थोड़ा इंतज़ार है।

गोचर की दृष्टि से देखें: आज शनि मीन राशि में वक्री होकर आपके आठवें भाव में हैं — यह भाव अचानक बदलाव, गहरे रूपांतरण और छिपे हुए संसाधनों का है। शनि का आठवें में वक्री होना एक गहरी भीतरी तैयारी का समय है। **दिसम्बर 2026 में शनि मार्गी होंगे** — तब बहुत-सी रुकी हुई बातें फिर चलने लगेंगी। और जून 2027 में शनि मीन से निकलकर आगे बढ़ेंगे — तब आठवें का यह दबाव समाप्त होगा।

फ़रवरी 2027 — पहला बड़ा मोड़

फ़रवरी 2027 से सूर्य-बुध अंतर्दशा आरंभ होगी — तब आप लगभग 35 वर्ष के होंगे। बुध आपके बारहवें भाव में शत्रु राशि में हैं — यह कमज़ोर स्थिति है। लेकिन बुध ग्यारहवें भाव के भी स्वामी हैं — लाभ के भाव के। तो यह अंतर्दशा एक मिश्रित संदेश लाएगी: लाभ की संभावना होगी, पर उसे पाने के लिए मेहनत और सावधानी दोनों चाहिए।

योगिनी दशा से देखें तो भद्रिका (बुध) 2029 तक चल रही है — बुद्धि, वाणी और व्यापार में गति का समय। विंशोत्तरी में भी बुध की अंतर्दशा फ़रवरी 2027 से — **दोनों पद्धतियाँ एक ही समय बुध को सामने ला रही हैं।** यह संयोग बताता है कि फ़रवरी-दिसम्बर 2027 का समय आपके लिए लेखन, संवाद, सौदेबाज़ी या किसी बौद्धिक काम में एक नई संभावना खोलेगा — बशर्ते आप उस ओर सक्रिय हों।

गुरु की दृष्टि आपके पाँचवें, सातवें और नवम भाव पर है — यह दृष्टि आपके बुद्धि, साझेदारी और भाग्य के भाव को देख रही है। यह एक शुभ संरक्षण है जो पृष्ठभूमि में काम करता रहता है।

अप्रैल 2029 — असली उड़ान का समय

अप्रैल 2029 से चंद्र महादशा आरंभ होगी — तब आप लगभग 37 वर्ष के होंगे। यह महादशा 2039 तक चलेगी। आपके चंद्र नवांश में मीन राशि में हैं — एक अलग और गहरी स्थिति। चंद्र राशि वृश्चिक से गोचर में गुरु नवम भाव में होंगे उस समय — भाग्य और विस्तार का संकेत।

चंद्र महादशा में गजकेसरी योग सक्रिय होगा — गुरु चंद्र से केंद्र में हैं, यह योग यश, बुद्धि और समाज में सम्मान देता है। अभी यह योग बना हुआ है पर पूरी तरह खिला नहीं — चंद्र महादशा में यही योग अपना असर दिखाएगा।

गोचर का इस समय असर — क्या देखें

आज गुरु कर्क राशि में आपके बारहवें भाव में हैं — यह एकांत, विदेश और व्यय का भाव है। **31 अक्टूबर 2026 तक गुरु यहाँ रहेंगे।** यह समय बड़ी घोरणाओं का नहीं, भीतरी तैयारी और योजना बनाने का है। नवम भाव पर गुरु की दृष्टि अवश्य है — भाग्य की दिशा अदृश्य रूप से बन रही है।

नवम भाव में शोधित अष्टकवर्ग के 13 बिंदु हैं — यह उच्च है, और बताता है कि भाग्य और उच्च शिक्षा या दूरदराज़ के अवसर आपके लिए बलवान क्षेत्र हैं। इस दिशा में कोई क़दम उठाना इस समय अधिक फलदायी होगा।

मंगल अभी ग्यारहवें भाव में हैं — 18 सितम्बर 2026 तक। लाभ के भाव में मंगल की यह छोटी-सी खिड़की किसी पुराने काम को आगे बढ़ाने या किसी नए संपर्क से लाभ उठाने के लिए उपयुक्त है।

मुख्य बातें

- **अभी फ़रवरी 2027 तक** — शनि अंतर्दशा का समय श्रम और धैर्य का है; परिणाम अभी कम दिखेंगे, पर नींव पक्की हो रही है। दिसम्बर 2026 में शनि के मार्गी होने के बाद रुकी हुई बातें चलने लगेंगी।
- **फ़रवरी से दिसम्बर 2027** — बुध अंतर्दशा और भद्रिका योगिनी का संयोग; बौद्धिक काम, संवाद और व्यापार में एक नई संभावना — सक्रिय रहें।
- **अक्टूबर 2026 के बाद गुरु का राशि-परिवर्तन** — करियर की दिशा में एक नया अध्याय खुलेगा, इसके लिए अभी से तैयारी करें।
- **अप्रैल 2029 से चंद्र महादशा** — यह आपका सबसे लंबा और संभावना से भरा दौर होगा; गजकेसरी योग इसी में अपना पूरा रंग दिखाएगा।
- **नवम भाव बलवान है (13 बिंदु)** — दूरदराज़ के अवसर, उच्च शिक्षा या किसी बड़े संस्थान से जुड़ाव इस समय आपके लिए सबसे उपजाऊ दिशा है।



आय, लाभ व आर्थिक वृद्धि

अध्याय 6

आय, लाभ व आर्थिक वृद्धि

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली में एकादश भाव (लाभ स्थान) में सूर्य और केतु की युति है — और इसी भाव का स्वामी बुध बारहवें भाव में है। यह संयोग बताता है कि **आपकी आय का स्रोत सीधा-सरल नहीं, बल्कि अपरंपरागत, दूरदर्शी और कभी-कभी अप्रत्याशित रूप से आने वाला है।**

आपका एकादश भाव — लाभ कहाँ से आता है

आपका ग्यारहवाँ भाव मिथुन राशि में है। यहाँ सूर्य और केतु की युति एक विचित्र पर शक्तिशाली संयोग बनाती है। सूर्य यहाँ अपनी महादशा के स्वामी के रूप में भी बैठे हैं — यानी अभी (अप्रैल 2023 से अप्रैल 2029) यही भाव आपके जीवन का केंद्रबिंदु है।

केतु की उपस्थिति बताती है कि **लाभ वहाँ से आएगा जहाँ आपने सोचा न हो** — किसी पुरानी रुचि, किसी छूटे हुए कौशल, या किसी अजनबी संपर्क से। एकादश भाव के शोधित अष्टकवर्ग बिंदु केवल 3 हैं — जो कम हैं — इसलिए आय का प्रवाह सहज नहीं, **प्रयास माँगता है।** पर भाव-बल 12.94 का है, जो बताता है कि भाव में जो ग्रह हैं (सूर्य, केतु) उनका समग्र प्रभाव काफ़ी मज़बूत है।

बुध — लाभेश की कहानी

एकादश भाव का स्वामी बुध बारहवें भाव में शत्रु राशि (कर्क) में बैठा है। यह स्थिति बताती है कि **जो कमाते हैं, वह टिकता कम है — व्यय, निवेश या दूसरों पर खर्च हो जाता है।** बुध की अवस्था कुमार है — बल बनता हुआ है, पूरा नहीं। यानी वित्तीय अनुशासन अभी भी विकसित हो रहा है।

गोचर में आज (14 सितंबर 2026) बुध कन्या राशि में हैं — अपनी स्वराशि में, बली और मार्गी। यह आपके दूसरे भाव (धन) में गोचर कर रहे हैं। **सितंबर 2026 का यह समय वित्तीय बातचीत, हिसाब-किताब और आय के नए रास्ते खोलने के लिए उपयुक्त है।** बुध 26 सितंबर तक कन्या में रहेंगे — इस दौरान कोई भी धन-संबंधी लेन-देन, दस्तावेज़ या योजना बनाना लाभकारी रहेगा।

शनि और लाभ का संबंध — धीमी पर टिकाऊ वृद्धि

आपके छठे भाव में स्वराशि मकर में शनि वक्री हैं — और वही सातवें भाव के स्वामी भी हैं। अभी सूर्य महादशा में **शनि अंतर्दशा (फ़रवरी 2026 से फ़रवरी 2027)** चल रही है। शनि की अवस्था कुमार है — फल आधा, पर बनता हुआ। यह दशा माँजती है — आय को तुरंत नहीं बढ़ाती, पर **आर्थिक नींव को मज़बूत करती है।**

विपरीत राजयोग (हर्ष) के कारण — जिसमें छठे भाव का स्वामी दुःस्थान में है — **कठिनाई के बाद जो सफलता आती है, वह अचानक और बड़ी होती है।** फ़रवरी 2027 से सूर्य-बुध अंतर्दशा आएगी, और तब बुध अपने स्वामित्व वाले एकादश भाव (लाभ) को सक्रिय करेंगे — **यह समय (फ़रवरी 2027 से दिसंबर 2027) आर्थिक वृद्धि के लिए सबसे महत्वपूर्ण खिड़की है।** तब आप लगभग 35 वर्ष के होंगे — करियर का वह मोड़ जब मेहनत फल देने लगती है।

दशमांश (D10) में लाभ का चित्र

दशमांश कुंडली में मंगल ग्यारहवें भाव (धनु) में हैं — और मंगल स्वराशि मेष में जन्म-कुंडली में नवम भाव में बैठे हैं। यह संकेत है कि **भाग्य और साहस मिलकर आय बनाते हैं।** जो काम में हिम्मत लगेगी — नया क्षेत्र, नई ज़िम्मेदारी, नई भूमिका — वहीं से बड़ी आय आएगी।

मुख्य बातें

- **एकादश भाव में सूर्य-केतु की युति** बताती है कि आय अप्रत्याशित रास्तों से आती है — इसे अवसर मानें, बाधा नहीं।
- **लाभेश बुध का बारहवें भाव में होना** बताता है कि जो कमाएँ, उसे सँभालकर रखें — व्यय पर अनुशासन ज़रूरी है।
- **अभी का समय (सितंबर 2026)** बुध के कन्या-गोचर से धन-संबंधी निर्णयों के लिए उपयुक्त है।
- **फ़रवरी 2027 से दिसंबर 2027** — सूर्य-बुध अंतर्दशा में आर्थिक वृद्धि का सबसे अनुकूल समय आएगा।
- **आय तुरंत नहीं, पर टिकाऊ रूप से बनेगी** — शनि का स्वभाव यही है, और अभी वही माँज रहे हैं।

॥ शास्त्र-प्रमाण ॥

लाभाधिपो यदा लाभे तिष्ठेत् केन्द्रत्रिकोणयोः ।

बहुलाभं तदा कुर्यादुच्चे सूर्याशगोऽपि वा ॥

ग्यारहवें भाव का स्वामी ग्यारहवें में, या केन्द्र-त्रिकोण में स्थित हो — तब वह बहुत लाभ देता है।

— बृहत् पाराशर होरा शास्त्र, अध्याय २२



करियर हेतु उपाय व सुझाव

अ ध्या य 7

करियर हेतु उपाय व सुझाव

अभय शर्मा जी, आपकी कुंडली में करियर का असली संघर्ष ग्रहों की कमजोरी नहीं, **दिशा की अस्पष्टता** है। शुक्र (कर्मेश) बारहवें भाव में अस्त हैं और शनि छठे में — यह संयोग बताता है कि साधारण रास्ते आपके लिए नहीं बने; आपको थोड़ा अलग चलना होगा, और उसी के लिए उपाय भी अलग होंगे।

ग्रह के साथ मिलकर चलना — यही सबसे बड़ा उपाय है

आपकी कुंडली में **गुरु लग्न में युवा अवस्था में** हैं — यह सबसे बलवान स्थिति है। गुरु के साथ चलने का अर्थ है: **रोज़ कुछ सीखना और किसी को सिखाना**। चाहे दस मिनट का पॉडकास्ट हो, कोई लेख पढ़ना हो, या किसी छोटे को समझाना हो — यह आदत आपके करियर को धीरे-धीरे वह गहराई देगी जो केवल अनुभव से नहीं मिलती।

शनि छठे भाव में स्वराशि (मकर) में हैं — इनका उपाय है समय की पाबंदी और बिना नागा एक काम। जिस दिन भी आप शॉर्टकट खोजते हैं, शनि उस दिन परिणाम रोक देते हैं। रोज़ एक घंटा अपने मुख्य कौशल (skill) पर — बिना नागा। यही शनि का सबसे बड़ा उपाय है।

शुक्र (कर्मेश) को जगाना

शुक्र अस्त हैं, इसलिए कर्म-भाव की आवाज़ धीमी है। **शुक्र के साथ चलने का तरीका:** घर और कार्यस्थल की साफ़-सफ़ाई व सजावट में थोड़ा ध्यान दें; अपनी प्रस्तुति (presentation) — चाहे लिखित हो, बोली जाने वाली हो — को सँवारने में समय लगाएँ। जीवनसाथी या करीबी संबंधों में संतुलन बनाए रखना भी शुक्र को बल देता है।

अभी का रत्न माणिक है — सूर्य महादशा चल रही है और सूर्य आपके जीवन-रत्न में भी हैं। माणिक धारण करने से आत्मविश्वास और निर्णय-क्षमता में सहारा मिलता है, जो इस दशा में सबसे ज़रूरी है। इसे रविवार को सोने में अनामिका में धारण करें। चाहें तो koustubhgems.com पर देख सकते हैं — वहाँ हर रत्न प्रयोगशाला-प्रमाणित मिलता है।

व्यावहारिक सुझाव — जो कल से शुरू हो सकें

- **सूर्योदय के समय उठें और 15 मिनट धूप में बिताएँ** — सूर्य ग्रहण-दोष के कारण आत्मविश्वास में बाधा आती है; यह छोटी आदत उसे धीरे-धीरे सुधारती है।
- **रोज़ शारीरिक श्रम करें** — मंगल नवम में स्वराशि में हैं; शरीर थकेगा तो मन शांत रहेगा और करियर के बड़े निर्णय स्पष्ट होंगे।
- **बुध की अंतर्दशा फ़रवरी 2027 से आ रही है** (तब आप 35 वर्ष के होंगे) — उस समय के लिए अभी से लेखन, संवाद या व्यापार में एक नया कौशल तैयार करना शुरू कर दें।

मुख्य बातें

- **गुरु के साथ चलें** — सीखना-सिखाना रोज़ की आदत बनाएँ; यही आपका सबसे बड़ा करियर-उपाय है।
- **शनि का उपाय: समय की पाबंदी** — एक काम रोज़, बिना नागा।
- **माणिक धारण करें** — सूर्य महादशा में यह जीवन-रत्न भी है और अभी का रत्न भी।
- **फ़रवरी 2027 की बुध अंतर्दशा** के लिए अभी से तैयारी करें — वह समय संवाद व कौशल का है।
- **भय नहीं, धैर्य रखें** — शनि और शुक्र की स्थिति कठिन ज़रूर है, पर हर्ष विपरीत राजयोग आपकी कुंडली में है — कठिनाई के बाद अप्रत्याशित उन्नति इसी का वादा है।

॥ ॐ शुभम् ॥

❖ ParasVani · पारस वाणी ❖ करियर एवं व्यवसाय रिपोर्ट ❖ अभय शर्मा (काल्पनिक) ❖

यह AI-सहायित वैदिक विश्लेषण मार्गदर्शन हेतु है — निर्णय अपने विवेक से लें।